इनफ्लिबनेट न्यूज़लेटर

ISSN : 0971- 9849
खंड ३१, अंक सं.२ (अप्रैल से जून २०२४)

संपादक – मंडल

प्रो. देविका पी. माडल्ली
श्री पल्लब प्रधान
श्री मोहित कुमार
डॉ रोमा असनानी

IndCat
https://indcat.inflibnet.ac.in/

SOUL
https://soul.inflibnet.ac.in/

VIDWAN
https://vidwan.inflibnet.ac.in/

e-ShodhSindhu
https://ess.inflibnet.ac.in/

N-LIST (E-resources for College)
https://nlist.inflibnet.ac.in/

InfiStats: Usage Statistics Portal for e-Resource
https://infistat.inflibnet.ac.in/

Indian Research Information Network System
https://irins.org/irins/

She Research Network in India (SheRNI)
https://sherni.inflibnet.ac.in/

e-PG Pathshala
https://epgp.inflibnet.ac.in/

Vidya-Mitra: Integrated e-content Portal
https://vidyamitra.inflibnet.ac.in/

INFLIBNET's Institutional Repositary
https://ir.inflibnet.ac.in/

Shodhganga
https://shodhganga.inflibnet.ac.in/

ICT Skill Development Programmes
https://hrd.inflibnet.ac.in/

INFED
https://parichay.inflibnet.ac.in/

INFLIBNET Learning Management Service
https://www.inflibnet.ac.in/ilms/

विषय सूची

निदेशक की कलम से 1

इनफ्लिबनेट प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं/वेबिनार 3

पुस्तकालय स्वचालन पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.आर.टी.पी.एल.ए) **(IRTPLA)** 7

इनफ्लिबनेट लर्निंग मैनेजमेंट सर्विस (आईएलएमएस) **(ILMS)** पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम 10

शोधशुद्धि (पीडीएस) **(PDS)** पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 11

ORCID आउटरीच कार्यक्रम (ORCID/ओआरसीआईडी ग्लोबल पार्टिसिपेशन फंड) 12

आरडीएम (RDM) आउटरीच – डेटासाइट ग्लोबल एक्सेस फंड 12

इनफ्लिबनेट परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति 13

अन्य उल्लेखनीय घटनाएँ और गतिविधियाँ 17

कर्मचारी समाचार 22

उपयोगकर्ताओं की राय 23

निदेशक की कलम से
From Director's Desk

(प्रिय पाठको)

मुझे 2024 के इनफ्लिबनेट न्यूज़लेटर का दूसरा तिमाही अंक प्रस्तुत करते हुए खुशी हो रही है। मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि इनफ्लिबनेट सेंटर ने 16 मई 2024 को पहले ओपन डे बहुत उत्साह के साथ मनाया। ओपन डे पर, केंद्र ने अपनी शोध गतिविधियों और अपने द्वारा निष्पादित परियोजनाओं का प्रदर्शन किया, जिससे आगंतुकों को उनके बारे में अधिक जानने का अवसर मिला। इस कार्यक्रम के दौरान आईआईएम अहमदाबाद के निदेशक प्रोफेसर भरत भास्कर और एनएएसी, बेंगलुरु के अध्यक्ष प्रोफेसर अनिल सहस्रबुद्धे मुख्य अतिथि और वक्ता थे। इस कार्यक्रम में देश भर के विभिन्न संस्थानों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इनफ्लिबनेट सेंटर ने 17–18 अप्रैल 2024 को नई दिल्ली में यूनेस्को कार्यालयों में आयोजित सीओएआरः एशिया ओए मीटिंग भारत में ओपन साइंस रिपॉजिटरी के पर्याप्त नेटवर्क को एकजुट करने और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने के लिए ओपन एक्सेस रिपॉजिटरी (सीओएआर) के परिसंघ के साथ एक समझौते की घोषणा की। इसके अलावा, केंद्र ने पुस्तकालय और सूचना विज्ञान और संबंधित विषयों के विशिष्ट विषयों के अनुसंधान और शिक्षण में सहयोग की सुविधा प्रदान करके गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उच्च–स्तरीय शोध को बढ़ावा देने के लिए हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएचपी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

रिपोर्ट की गई अवधि तक, केंद्र ने संस्थानों के लिए 1,228 आईआरआईएनएस इंस्टेंसेस बनाए हैं, जिनमें रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान बनाए गए 80 आईआरआईएनएस इंस्टेंसेस शामिल हैं, और इस परियोजना के माध्यम से 1,91,973 संकाय सदस्यों को जोड़ा है। रिपोर्ट की गई अवधि तक 133 विश्वविद्यालयों ने शोध–चक्र का उपयोग करने के लिए INFLIBNET केंद्र के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें 14 विश्वविद्यालय शामिल हैं जिन्होंने रिपोर्ट के तहत अवधि के दौरान समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। शोधगंगा रिपोजिटरी में जमा किए गए शोध प्रबंधों की संख्या बढ़कर 5,42,765+ हो गई है, जिसमें रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान 17,472 शोध प्रबंध अपलोड किए गए हैं। कुल 901 (795 विश्वविद्यालय + 106 सीएफटीआई/आईएनआई) ने रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान 15 समझौता ज्ञापनों (15 विश्वविद्यालय) सहित INFLIBNET केंद्र के साथ शोधगंगा पर समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। इनफ्लिबनेट केन्द्र इस सफलता को प्राप्त करने में उनके जबरदस्त सहयोग के लिए इन परियोजनाओं के सभी नोडल अधिकारियों को हार्दिक धन्यवाद और बधाई देता है।

रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान, जहां तक आईएसबीएन पोर्टल के माध्यम से आईएसबीएन के आवंटन का सवाल है, कुल 3,150 हितधारकों ने आईएसबीएन पोर्टल पर पंजीकरण कराया, 9,365 आवेदन प्राप्त हुए, और हितधारकों/प्रकाशकों को 1,42,302 आईएसबीएन आवंटित किए गए।

इनफ्लिबनेट केंद्र नियमित रूप से देश भर के विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करने के लिए ऑफ़लाइन/ऑनलाइन विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएँ आयोजित करता है। रिपोर्ट की गई तिमाही के दौरान, केंद्र ने 10 से 14 जून 2024 तक "SOUL 3.0: स्थापना और संचालन" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम (168वां) आयोजित किया। 8 से 10 अप्रैल 2024 तक नैतिक मुद्दों और शोध में साहित्यिक चोरी का पता लगाने के उपयोग पर दो (02) तीन

दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम और 20 से 22 मई 2024 तक शोध पद्धति और नैतिकता पर राष्ट्रीय कार्यशालाः साहित्यिक चोरी के मुद्दे, संदर्भ प्रबंधन उपकरण और ऑल्टमेट्रिक्स, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में आयोजित किए गए। केंद्र ने 29 अप्रैल से 3 मई 2024 तक गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी में लाइब्रेरी ऑटोमेशन (आईआरटीपीएलए) पर दो इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम और 3 से 7 जून 2024 तक आईआईआईटी नया रायपुर में आयोजित किए। इसके अलावा, केंद्र ने रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान 22 अप्रैल 2024 को मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई में आईएलएमएस पर 03 प्रशिक्षण कार्यक्रम और शोध शुद्धि/साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर (पीडीएस) पर एक क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

पिछले जुलाई 2023 में प्रदान की गई ORCID वैश्विक भागीदारी निधि के हिस्से के रूप में, INFLIBNET केंद्र ने देश के चयनित उच्च शिक्षण संस्थानों में "विद्वान समुदायों के लिए ORCID और INFLIBNET सेवाओं पर 04 एक दिवसीय उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम" आयोजित किए। इसके अलावा, दिसंबर 2023 में प्रदान की गई डेटासाइट ग्लोबल एक्सेस फंड्स (डेटासाइट–जीएएफ) के हिस्से के रूप में, केंद्र ने आरडीएम आउटरीच कार्यक्रमों के तहत तीन वेबिनार आयोजित किए।

इनफ्लिबनेट सेंटर ने 21 जून 2024 को 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

मैं कहूँगी कि केंद्र की यात्रा और जिम्मेदारियाँ बढ़ रही हैं और भारत में एक खुले, सुलभ और सहयोगी शैक्षणिक और शोध वातावरण को समर्थन और बढ़ावा देने की दिशा में सही रास्ते पर हैं। मैं हमारी सेवा में सुधार के लिए आपके सुझावों की प्रतीक्षा कर रही हूँ! मुझे उम्मीद है कि पाठकों को इनफ्लिबनेट न्यूज़लैटर का यह अंक पढ़ने में मज़ा आएगा।

आप सभी को शुभकामनाएं!

धन्यवाद।

(Prof. Devika P. Madalli)

इनफ्लिबनेट प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं

नैतिक मुद्दों और शोध में साहित्यिक चोरी का पता लगाने के उपयोग पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, इनफ्लिबनेट केंद्र , गांधीनगर, ८–१० अप्रैल २०२४

नैतिक मुद्दों और शोध में साहित्यिक चोरी का पता लगाने के उपयोग पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम इनफ्लिबनेट केंद्र में ८ से १० अप्रैल २०२४ तक आयोजित किया गया। इनफ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक–एफ (सी.एस) और कार्यक्रम के समन्वयक श्री मनोज कुमार के ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन भाषण में, उन्होंने शोधगंगा के बारे में यूजीसी अधिसूचनाओं और उच्च शिक्षा संस्थानों में शैक्षणिक अखंडता और साहित्यिक चोरी की रोकथाम के लिए यू.जी.सी नीति २०१८ के प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डाला और शोध कार्य के लिए साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले उपकरणों के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने शोध नैतिकता/शैक्षणिक ईमानदारी और साहित्यिक चोरी के मुद्दों के बारे में भी बात की। डॉ. एच.जी. होसामनी, वैज्ञानिक–ई (एल.एस) ने स्वागत भाषण दिया और इस प्रमुख कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण दिया। डॉ. सुरभि, वैज्ञानिक–सी (एल.एस) ने कार्यक्रम का विवरण दिया। श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक–बी (एल.एस) ने उद्घाटन सत्र के अंत में प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

माननीय निदेशक और इनफ्लिबनेट के तकनीकी स्टाफ, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर के साथ नैतिक मुद्दों और शोध में साहित्यिक चोरी का पता लगाने के उपयोग पर प्रशिक्षण के प्रतिभागी

भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों से शोधगंगा और शोधशुद्धि के विश्वविद्यालय समन्वयक, शोध विद्वान, प्रोफेसर और पुस्तकालय पेशेवरों सहित कुल चौदह (१४) प्रतिभागी प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान इनफ्लिबनेट केंद्र के संकाय और संसाधन व्यक्तियों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार है:

विषय	विशेषज्ञ का नाम
इनफ्लिबनेट गतिविधियाँ	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक–ई (सी.एस)
शोध नैतिकता/शैक्षणिक ईमानदारी और साहित्यिक चोरी के मुद्दों/पीडीएस का परिचय	श्री मनोज कुमार के, वैज्ञानिक–एफ (सी.एस)
शोधगंगा/शोधशुद्धि का डेमो/पीडीएस पर डेमो	डॉ. सुरभि, वैज्ञानिक–सी (एल.एस)
संदर्भ प्रबंधन उपकरणों का उपयोगः मेंडली, ज़ोटेरो इत्यादि और शोध रिपोर्ट लिखना	डॉ. मितेशकुमार पंड्या, वैज्ञानिक–सी (एल.एस)
शोध प्रबंध अपलोड करना और शोधगंगोत्री पर डेमो	श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक–बी (एल.एस)
आर/जमोवी का उपयोग करके अनुसंधान और डेटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय विधियाँ	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक–सी (सी.एस)
आई.आर.आई.एन.एस एक वेब–आधारित अनुसंधान सूचना प्रबंधन (आरआईएम): (ओ.आर.सी.आई.डी) का अवलोकन	डॉ. कन्नन पी, वैज्ञानिक–ई (एल.एस)
आईएनएफईडी और उपयोग विश्लेषण का परिचय	श्री राजा वी., वैज्ञानिक–सी (सी.एस)
शोधचक्र का परिचयः शोधकर्ताओं के लिए संसाधना का प्रवेश द्वार	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक–ई (सी.एस)
शोध प्रदर्शन का आकलन और मूल्यांकनः ग्रंथ सूची संकेतक	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक–डी (एल.एस)
शोध के लिए ई–संसाधन	श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक–डी (एल.एस)
पीडीएस/शोधगंगा पर व्यावहारिक अभ्यास	टीम पीडीएस/शोधगंगा

शोध पद्धति और नैतिकता पर तीन दिवसीय प्रशिक्षणः साहित्यिक चोरी के मुद्दे, संदर्भ प्रबंधन उपकरण और ऑल्टमेट्रिक्स, इनफ्लिबनेट केंद्र , गांधीनगर, २०–२२ मई २०२४

शोध पद्धति और नैतिकता पर तीन दिवसीय प्रशिक्षणः साहित्यिक चोरी के मुद्दे, संदर्भ प्रबंधन उपकरण और ऑल्टमेट्रिक्स इनफ्लिबनेट केंद्र , गांधीनगर में २० से २२ मई २०२४ तक आयोजित किया गया। माननीय निदेशक प्रोफेसर देविका पी. माडल्ली ने भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के शोधगंगा और शोधशुद्धि के विश्वविद्यालय समन्वयकों, शोधार्थियों, प्रोफेसरों और पुस्तकालय पेशेवरों की उपस्थिति में कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने उद्घाटन भाषण में, उन्होंने केंद्र की व्यापक शोध पहलों पर जोर दिया और शोधगंगा पर ध्यान केंद्रित किया, सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करके सदस्यता के माध्यम से विश्वविद्यालयों

तक इसकी पहुँच पर प्रकाश डाला। श्री मनोज कुमार के, वैज्ञानिक–एफ (सी.एस) और परियोजना प्रभारी ने कार्यक्रम का समन्वय किया और स्वागत भाषण दिया। उन्होंने प्रमुख कार्यक्रम के संक्षिप्त अवलोकन पर चर्चा की, जो उच्च शिक्षा संस्थानों में अकादमिक अखंडता को बढ़ावा देने और साहित्यिक चोरी की रोकथाम के लिए यूजीसी अधिसूचना 2018 पर आधारित है। उन्होंने परियोजना की शुरुआत को याद किया, इसके शुरुआती वर्षों में आने वाली चुनौतियों का विवरण दिया जब कुछ विश्वविद्यालयों द्वारा केवल 300 शोध प्रबंध अपलोड किए गए थे। डॉ. सुरभि, वैज्ञानिक–सी (एल.एस) ने कार्यक्रम का अवलोकन दिया। श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक–बी (एल.एस) ने प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।

शोध पद्धति और नैतिकता पर प्रशिक्षण के प्रतिभागीः साहित्यिक चोरी के मुद्दे, संदर्भ प्रबंधन उपकरण और ऑल्टमेट्रिक्स माननीय निदेशक और इनफ्लिबनेट तकनीकी कर्मचारियों के साथ, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान इनफ्लिबनेट केंद्र के कर्मचारियों और संसाधन व्यक्तियों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार हैः

विषय	विशेषज्ञ का नाम
इनफ्लिबनेट गतिविधियाँ और पीडीएस का परिचय	श्री मनोज कुमार के, वैज्ञानिक–एफ (सी.एस)
शोध नैतिकता/शैक्षणिक ईमानदारी और साहित्यिक चोरी के मुद्दों/पीडीएस का परिचय	श्री मनोज कुमार के, वैज्ञानिक–एफ (सी.एस)
शोधगंगा/शोधशुद्धि का डेमो/पीडीएस (साहित्यिक चोरी की जांच) पर डेमो	डॉ. सुरभि, वैज्ञानिक–सी (एल.एस)
शोधगंगा पर शोध प्रबंध अपलोड करने और शोधगंगोत्री का परिचय पर डेमो	श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक–बी (एल.एस)
शोध प्रबंध अपलोड करना और शोधगंगोत्री पर डेमो	श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक–बी (एल.एस)

विषय	संसाधन व्यक्ति का नाम
आर/जमोवी का उपयोग करके अनुसंधान और डेटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय विधियाँ	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक–सी (सी.एस)
आईएनएफईडी और उपयोग विश्लेषण का परिचय	श्री राजा वी., वैज्ञानिक–सी (सी.एस)
आई.आर.आई.एन.एस एक वेब–आधारित अनुसंधान सूचना प्रबंधन (आरआईएम): (ओ.आर.सी.आई.डी) का अवलोकन	डॉ. कन्नन पी, वैज्ञानिक–ई (एल.एस)
शोधचक्र का परिचयः शोधकर्ताओं के लिए संसाधनों का प्रवेश द्वार	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक–ई (सी.एस)
संदर्भ प्रबंधन उपकरणों का उपयोगः मेंडेली, और शोध रिपोर्ट और ऑल्टमेट्रिक्स लिखनाः अवलोकन	श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक–सी (एल.एस)
शोध प्रदर्शन का आकलन और मूल्यांकनः ग्रंथ सूची संकेतक	डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक–डी (एल.एस)
शोध के लिए ई–संसाधन	श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक–डी (एल.एस)
पीडीएस/शोधगंगा पर व्यावहारिक अभ्यास	टीम पीडीएस/शोधगंगा

"SOUL 3-0: स्थापना और संचालन" पर १६८वां पांच दिवसीय ऑफ़लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, १०–१४ जून २०२४

"SOUL 3-0: स्थापना और संचालन" पर १६८वां पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में १० से १४ जून २०२४ तक आयोजित किया गया। श्री मनोज कुमार के, वैज्ञानिक–एफ (सी.एस), इनफ्लिबनेट केंद्र ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। श्री यात्रिक पटेल, वैज्ञानिक–ई (सी.एस) और तकनीकी समन्वयक ने उन्हें प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक–बी (एल.एस) और श्रीमती आरती सावले, एस.टी.ओ–आई (एल.एस) क्रमशः पाठ्यक्रम समन्वयक और संयुक्त समन्वयक थीं। समारोह में प्रोफेसर देविका इनफ्लिबनेट केंद्र के निदेशक पी. माडल्ली ने प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र वितरित किए। इनफ्लिबनेट केंद्र के पूर्व वैज्ञानिक–ई (एलएस) डॉ. एच. जी. होसामनी ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और प्रतिभागियों के साथ अपने बहुमूल्य अनुभव साझा किए। सुश्री अमृता देवी, वैज्ञानिक–बी (एलएस) ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल ३८ प्रतिभागियों ने भाग लिया।

माननीय निदेशक और इनफ्लिबनेट तकनीकी कर्मचारियों, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर के साथ १६८वें SOUL प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी

इनफ्लिबनेट केंद्र के कर्मचारियों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार है:

मॉड्यूल	संसाधन व्यक्ति
प्रशासन मॉड्यूल	श्री विजय श्रीमाली, वैज्ञानिक–बी (सी.एस.)
कैटलॉग मॉड्यूल	सुश्री रोशनी यादव, एस.टी.ओ.–आई (एल.एस)
परिसंचरण मॉड्यूल	श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक–बी (एल.एस)
अधिग्रहण मॉड्यूल	श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक–बी (एल.एस)
सीरियल कंट्रोल मॉड्यूल	श्रीमती आरती सावले, एस.टी.ओ.–आई (एल.एस)
SOUL 3.0 वेब ओपेक और बैकअप	श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक–डी (सी.एस)
SOUL 3-0 इंस्टालेशन	श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक–डी (सी.एस)

पुस्तकालय स्वचालन पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.आर.टी.पी.एल.ए) (IRTPLA)

पुस्तकालय स्वचालन पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.आर.टी.पी.एल.ए), गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, २९ अप्रैल – ३ मई २०२४

पुस्तकालय स्वचालन पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.आर.टी.पी.एल.ए) का आयोजन इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर द्वारा पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय और कृष्ण कांता हंडिक्वी पुस्तकालय (केंद्रीय पुस्तकालय), गुवाहाटी विश्वविद्यालय के सहयोग से एम.एम.टी.टी.सी., गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असाम में २९ अप्रैल २०२४ से ३ मई २०२४ तक

सफलतापूर्वक किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य उन SOUL उपयोगकर्ताओं के बीच जागरूकता पैदा करना था जो अभी भी अपने पुस्तकालयों में SOUL 2.0 का उपयोग कर रहे हैं और अभी तक SOUL 3.0 पर स्विच नहीं किया हैं।

प्रो. संजय कुमार सिंह ने स्वागत भाषण दिया। अपने भाषण में, प्रो. सिंह ने कार्यशाला के सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और पुस्तकालय पेशेवरों के लिए आई.आर.टी.पी.एल.ए और SOUL 3.0 प्रशिक्षण की आवश्यकता और उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विभिन्न कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और कुछ स्कूलों और विशेष पुस्तकालयों में ३३५ से अधिक SOUL उपयोगकर्ता हैं। गौहाटी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी. जे. हांडिक समारोह के मुख्य अतिथि थे। प्रो. हांडिक ने समय–समय पर गुवाहाटी विश्वविद्यालय को इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा दी जाने वाली सेवाओं की सराहना की और इनफ्लिबनेट केंद्र से भविष्य में पुस्तकालय सेवाओं के कल्याण के लिए इस प्रकार की कार्यशाला आयोजित करने का अनुरोध भी किया।

श्री स्वप्निल पी. पटेल, वैज्ञानिक–डी (सी.एस) ने SOUL 3.0 के महत्व और भारत में सामान्य रूप से और विशेष रूप से उत्तर पूर्व भारत में उच्च शिक्षा के विकास के लिए इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा दी जाने वाली विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर एम.एम.टी.टी.सी., गुवाहाटी विश्वविद्यालय के निदेशक और विशिष्ट अतिथि प्रो. पार्थ प्रतिम बरुआ ने भी बात की। प्रोफेसर बरुआ ने पुस्तकालय और अन्य क्षेत्रों में कंप्यूटर अनुप्रयोगों के महत्व पर जोर दिया। उद्घाटन सत्र के अंत में डॉ. प्रशांत कुमार डेका ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

कार्यशाला में असम और अन्य पड़ोसी राज्यों के विभिन्न हिस्सों से ३५ पुस्तकालय पेशेवरों ने भाग लिया। उन्हें SOUL 3.0 के सभी मॉड्यूल की स्थापना और प्रबंधन में प्रशिक्षित किया गया, जिसमें प्रत्येक प्रतिभागी को व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया।

कार्यशाला सुबह से शाम तक पाँच दिनों तक जारी रही। प्रतिभागियों को संसाधन व्यक्तियों के रूप में इनफ्लिबनेट केंद्र के तकनीकी रूप से सक्षम वैज्ञानिकों द्वारा SOUL 3.0 के बारे में सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों तरह की जानकारी दी गई, जैसे कि श्री स्वप्निल पी पटेल, वैज्ञानिक–डी (सी.एस), श्रीमती हेमा वी चोलिन, वैज्ञानिक–बी (एलएस) और श्री विजय कुमार एम श्रीमाली, वैज्ञानिक–बी (सीएस)। सभी संसाधन व्यक्तियों

गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी में पुस्तकालय स्वचालन पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.आर.टी.पी.एल.ए) के प्रतिभागी

ने सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

समापन सत्र में, डॉ हेमंत कुमार नाथ, रजिस्ट्रार, गुवाहाटी विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि थे। उन्होंने क्षेत्र के पुस्तकालय पेशेवरों को प्रशिक्षित करने के लिए गौहाटी विश्वविद्यालय गुवाहाटी में इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन के लिए इनफ्लिबनेट केंद्र को धन्यवाद दिया। एम.एम.टी.टी.सी., गौहाटी विश्वविद्यालय के उप निदेशक और विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर श्यामंत चक्रवर्ती ने इनफ्लिबनेट केंद्र की गतिविधियों और सेवाओं की प्रशंसा की और गौहाटी विश्वविद्यालय में इस कार्यक्रम के संचालन के लिए केंद्र को धन्यवाद दिया। कुछ प्रतिभागियों ने कार्यशाला पर अपने अनुभव और प्रतिक्रिया साझा की और इनफ्लिबनेट केंद्र से उस क्षेत्र में नियमित अंतराल पर इस प्रकार के आयोजन/कार्यशालाएं आयोजित करने का अनुरोध किया। डी.एल.आई.एस और के.के.एच.एल के डॉ बदन बर्मन, डॉ नीरज बरुआ, डॉ गौरी शंकर करमाकर, सुश्री कृपांजलि सैकिया आदि ने भी चर्चा में भाग लिया। डी.एल.आई.एस के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ दीपेन डेका ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। कार्यशाला का समापन असाम के राज्य गान (अक्षोम संगीत) "ओ मुर अपुनर देख" के साथ हुआ।

पुस्तकालय स्वचालन पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.आर.टी.पी.एल.ए), आई.आई.आई.टी नया रायपुर, ०३–०७ जून २०२४

आईआईआईटी नया रायपुर में पुस्तकालय स्वचालन (आईआरटीपीएलए) पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी

पुस्तकालय स्वचालन पर इनफ्लिबनेट क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (आई.आर.टी.पी.एल.ए–२०२४), ०३ से ०७ जून २०२४ तक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नया रायपुर (आई.आई.आई.टी दृ एन. आर.), छत्तीसगढ़ के पुस्तकालय के सहयोग से इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर द्वारा आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन ३ जून को आई.आई.आई.टी – एन.आर छत्तीसगढ़ में डीन शैक्षणिक और प्रभारी रजिस्ट्रार प्रोफेसर के.जी.श्रीनिवासन ने किया, जिन्होंने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

सत्र के दौरान आईआईएम रायपुर के लाइब्रेरियन डॉ. सी. के. स्वैन और कलिंगा विश्वविद्यालय के लाइब्रेरियन डॉ मोहम्मद नासिर, श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक–बी (एल. एस) और सुश्री रोशनी यादव, एस.टी.ओ (एल.एस), इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, गुजरात उपस्थित थे। कार्यशाला में पुस्तकालय पेशेवरों की ओर से भारी प्रतिक्रिया देखी गई, हालांकि, इसमें भाग लेने के लिए केवल पचास को चुना गया था। एनआईटी, आईआईएम रायपुर, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, एच.एन.एल.यू रायपुर और वाराणसी, पटना, लखनऊ, रांची, अंबिकापुर और अन्य स्थानों के कई संस्थानों के प्रतिभागियों ने उत्साह दिखाया। कार्यशाला के समन्वयक, आईआईआईटी नया रायपुर के सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष श्री अजीत रॉय ने कार्यशाला का अवलोकन और उत्पत्ति प्रस्तुत की। अपने उद्घाटन भाषण में, प्रोफेसर के.जी. श्रीनिवास ने पुस्तकालयाध्यक्षों से आईसीटी के युग में अद्यतन रहने का आग्रह किया। उन्होंने नवीन विचारों का अभ्यास करके पुस्तकालय में आने वालों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यशाला में कुल ५० प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में समकालीन दुनिया के पुस्तकालयों में उपयोग किए जा रहे डीस्पेस, ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर, ई–रिसोर्स, एआई और क्लाउड कंप्यूटिंग पहलुओं पर सैद्धांतिक सत्र आयोजित किए गए। श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक–बी (एलएस) और सुश्री रोशनी यादव, एसटीओ (एल.एस), इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, गुजरात ने SOUL 3.0 लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर पर सैद्धांतिक और व्यावहारिक सत्र लिए। प्रतिभागियों को इनफ्लिबनेट केंद्र के निदेशक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित कार्यशाला समापन प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

इनफ्लिबनेट लर्निंग मैनेजमेंट सर्विस (ILMS) पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

इनफ्लिबनेट केंद्र ने रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान आई.एल.एम.एस पर निम्नलिखित ०३ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

विश्वविद्यालय का नाम	प्रशिक्षण की तिथि	विशेषज्ञों	प्रतिभागियों की संख्या
दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा केंद्र, तेजपुर विश्वविद्यालय	०२–०४–२०२४	श्री अरशद रफीक खान, सीनियर प्रोजेक्ट एसोसिएट (सी.एस)	१२
आरएनबी ग्लोबल विश्वविद्यालय, राजस्थान	३०–०४–२०२४	श्री अरशद रफीक खान, सीनियर प्रोजेक्ट एसोसिएट (सी.एस)	१०
महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी, तेलंगाना	१३–०६–२०२४	श्री अरशद रफीक खान, सीनियर प्रोजेक्ट एसोसिएट (सी.एस)	१५

शोध शुद्धि (पीडीएस) पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमं

शोध शुद्धि/साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर (पीडीएस) पर सातवां क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई, २२ अप्रैल २०२४

शोध शुद्धि/साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर (पीडीएस) पर सातवां क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम २२ अप्रैल २०२४ को मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई में आयोजित किया गया। प्रोफेसर देविका माडल्ली, माननीय निदेशक, इनफ्लिबनेट केंद्र ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम का उद्घाटन किया, एवं प्रोफेसर कविता लघाटे, निदेशक, आईसीएसएसआर (डब्ल्यूआरसी) और जेबीआईएमएस (मुंबई विश्वविद्यालय) के प्रोफेसर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री मनोज कुमार के, वैज्ञानिक–एफ (सी.एस), इनफ्लिबनेट केंद्र ने संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया।

शोध शुद्धि/पीडीएस पर सातवें क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियाँ, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई

ORCID आउटरीच कार्यक्रम (ORCID वैश्विक भागीदारी निधि)

पिछले जुलाई २०२३ में प्रदान की गई ओआरसीआईडी वैश्विक भागीदारी निधि के भाग के रूप में, इनफ्लिबनेट केंद्र ने तालिका में सूचीबद्ध रिपोर्ट अवधि के दौरान देश भर में क्षेत्रवार चयनित उच्च शिक्षा संस्थानों में ओआरसीआईडी और विद्वान समुदायों के लिए इनफ्लिबनेट सेवाओं पर ०४ एक दिवसीय उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारतीय शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों के बीच शैक्षणिक पहचान, यानी ORCID के उपयोग के बारे में जागरूकता पैदा करना और उनके बीच इनफ्लिबनेट केंद्र की विभिन्न सेवाओं और गतिविधियों, विशेष रूप से आई.आर.आई.एन.एस और शोध–चक्र आदि के बारे में अधिक जागरूकता लाना है। प्रत्येक एक दिवसीय कार्यक्रम के दौरान चार सत्र दिए जा रहे थेः ORCID और शैक्षणिक पहचान, भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आई.आर.आई.एन.एस), शोध–चक्रः संसाधनों के लिए शोधकर्ताओं का प्रवेश द्वार, और इनफ्लिबनेट गतिविधियाँ।

क्रम	कार्यक्रम दिनांक	मेजबान विश्वविद्यालय/संस्था	संसाधन व्यक्ति	कुल प्रतिभागी
१	६वीं अप्रैल २०२४	वनिता विश्राम महिला विश्वविद्यालय, सूरत, गुजरात	डॉ कन्नन पी और श्री हितेशकुमार सोलंकी	१३३
२	१८वीं मई, २०२४	देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश	डॉ कन्नन पी. और डॉ अभिषेक कुमार	१५५
३	२०वीं मई,२०२४	मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल, मिजोरम	श्री हितेशकुमार सोलंकी और श्री पल्लब प्रधान	११०
४	२२वीं मई,२०२४	गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम	श्री हितेशकुमार सोलंकी और श्री पल्लब प्रधान	१४०

आरडीएम (RDM) आउटरीच - डेटासाइट ग्लोबल एक्सेस फंड

दिसंबर २०२३ में प्रदान किए गए डेटासाइट ग्लोबल एक्सेस फंड (डेटासाइट–जी.ए.एफ) के हिस्से के रूप में, इनफ्लिबनेट केंद्र ने आरडीएम आउटरीच कार्यक्रमों के तहत तीन वेबिनार आयोजित किए।

क्रम	कार्यक्रम दिनांक	मेजबान विश्वविद्यालय/संस्था	वेबिनार का शीर्षक	कुल प्रतिभागी
१	२५वीं अप्रैल,२०२४	इनफ्लिबनेट केंद्र	रणनीतिक अनुसंधान डेटा प्रबंधन के माध्यम से खोजों को आगे बढ़ाना	१४४
२	२८वीं मई, २०२४	इनफ्लिबनेट केंद्र	प्रभावी डेटा प्रबंधन रणनीतियों के माध्यम से अनुसंधान को आगे बढ़ाना	१९५
३	२७वीं जून २०२४	इनफ्लिबनेट केंद्र	प्रभावी डेटा प्रबंधन दृष्टिकोणों के माध्यम से अनुसंधान परिणामों को अनुकूलित करना	२३७

इनफ्लिबनेट परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति

शोध–चक्रः शोधकर्ताओं के लिए संसाधनों का प्रवेश द्वार

शोध–चक्र, यूजीसी के मार्गदर्शन में इनफ्लिबनेट केंद्र की एक पहल है, जिसका उद्देश्य शैक्षणिक समुदाय को उनके शोध जीवन चक्र के दौरान मदद करना है। शोध–चक्र, शोधकर्ता, मार्गदर्शक/पर्यवेक्षक और विश्वविद्यालय को शोधार्थी के शोध जीवन चक्र का प्रबंधन करने के लिए एक अनूठा स्थान प्रदान करता है। यह पोर्टल लाखों संसाधनों (पूर्ण–पाठ शोध प्रबंध सहित) और शोधकर्ता के लिए सहायक उपकरणों से एकीकृत है, जिनकी शोध कार्य के दौरान आवश्यकता होती है। शोध–चक्र का उपयोग करने के लिए इनफ्लिबनेट केंद्र के साथ कुल १३३ विश्वविद्यालयों ने पहले ही समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें १४ विश्वविद्यालय शामिल हैं जिन्होंने रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। १४ विश्वविद्यालयों का विवरण नीचे दिया गया हैः

क्रम	संस्थानों/विश्वविद्यालयों का नाम	विश्वविद्यालय द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की तिथि	इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की तिथि
१	स्टेला मैरिस कॉलेज, चेन्नई	०१–०४–२०२४	२२–०४–२०२४
२	नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली	०३–०४–२०२४	२२–०४–२०२४
३	संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती	०४–०४–२०२४	२२–०४–२०२४
४	रैफल्स यूनिवर्सिटी, नीमराना	०९–०४–२०२४	२२–०४–२०२४
५	कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (झ्रै), भुवनेश्वर	०८–०४–२०२४	२२–०४–२०२४
६	वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत	१८–०४–२०२४	२०–०५–२०२४
७	श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, सोमनाथ	१७–०४–२०२४	२१–०५–२०२४
८	सिग्मा यूनिवर्सिटी, वडोदरा	१०–०४–२०२४	२१–०४–२०२४
९	गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद		
१०	विजयनगर श्री कृष्णदेवराय विश्वविद्यालय	०८–०४–२०२४	२०–०४–२०२४
११	एमिटी यूनिवर्सिटी, कोलकाता	२३–०४–२०२४	१२–०५–२०२४
१२	सेंट जोसेफ विश्वविद्यालय	१०–०५–२०२४	३१–०५–२०२४
१३	माधव विश्वविद्यालय, सिरोही	२१–०५–२०२४	१०–०६–२०२४
१४	गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, गांधीनगर	०३–०६–२०२४	०३–०६–२०२४

इनफ्लिबनेट केंद्र ने शोध–चक्र के लिए गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय (सी.यू.जी) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, ३ जून २०२४

इनफ्लिबनेट केंद्र ने ३ जून २०२४ को "शोध–चक्र" के लिए गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय (सी.यू.जी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रोफेसर देविका माडल्ली और सी.यू.जी के माननीय कुलपति प्रोफेसर रमा शंकर दुबे ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। सी.यू.जी के रजिस्ट्रार प्रोफेसर एच बी पटेल और इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रोफेसर देविका माडल्ली ने कार्यक्रम के दौरान समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। सी.यू.जी के केंद्रीय पुस्तकालय की प्रभारी प्रोफेसर भावना पाठक ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रोफेसर देविका माडल्ली, सी.यू.जी के माननीय कुलपति प्रोफेसर रामा शंकर दुबे और सी.यू.जी के रजिस्ट्रार प्रोफेसर एच.बी. पटेल

अंतर्राष्ट्रीय मानक पुस्तक संख्या (आई.एस.बी.एन) (ISBN)

शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा अनुमोदित इनफ्लिबनेट केंद्र , गांधीनगर को पंजीकरण, आवेदन और आई.एस.बी.एन के आवंटन के साथ–साथ आई.एस.बी.एन पोर्टल के तकनीकी रखरखाव सहित अपनी दिन–प्रतिदिन की गतिविधियों के प्रबंधन और निष्पादन का कार्य दिया गया है। रिपोर्ट की गई अवधि (०१ अप्रैल २०२४ से ३० जून २०२४) के दौरान, आईएसबीएन पोर्टल पर ३,१५० हितधारकों ने पंजीकरण किया, जहां ६,३६५ आवेदन प्राप्त हुए और हितधारकों/प्रकाशकों को १,४२,३०२ आई.एस.बी.एन आवंटित किए गए।

VIDWAN और भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आई.आर.आई.एन.एस) (IRINS)

VIDWAN डेटाबेस में रिपोर्ट की गई अवधि तक २०,२२० शैक्षणिक संस्थानों में कार्यरत २,५०,४६० से अधिक संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों की विस्तृत प्रोफ़ाइल शामिल हैं। आई.आर.आई.एन.एस एक वेब–आधारित अनुसंधान सूचना प्रबंधन (आर.आई.एम) सेवा है जो भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों को इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा प्रदान की जाती है। आई.आर.आई.एन.एस शैक्षणिक, अनुसंधान एवं विकास संगठनों, संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों को विद्वानों की संचार गतिविधियों को एकत्र करने, संचालन करने और प्रदर्शित करने की सुविधा प्रदान करता है और एक VIDWAN नेटवर्क बनाने का अवसर प्रदान करता है। इनफ्लिबनेट केंद्र ने रिपोर्ट की गई अवधि तक संस्थानों के लिए १२२८ आई.आर.आई.एन.एस उदाहरण बनाए हैं, जिनमें रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान बनाए गए ८० आई.आर.आई.एन.एस उदाहरण शामिल हैं। आई.आर.आई.एन.एस ने इस परियोजना के माध्यम से १९१९७३ संकाय सदस्यों को जोड़ा है। रिपोर्ट अवधि तक परियोजना ने विभिन्न स्रोतों से २५.६५ लाख से अधिक (२५,६५,७९०) प्रकाशन मेटाडेटा प्राप्त किए, २२९ लाख से अधिक (२,४०,८६,८८६) उद्धरण प्राप्त किए, तथा ९४.५५ लाख से अधिक (९४,६५,९२१) ऑल्टमेट्रिक्स उल्लेख प्राप्त किए।

ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल (टी.जी. पोर्टल)

भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन के तहत, इनफ्लिबनेट केंद्र ने 'ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल' विकसित किया है। यह पोर्टल किसी ट्रांसजेंडर व्यक्ति को किसी भी कार्यालय में जाए बिना देश में कहीं से भी प्रमाण पत्र और पहचान पत्र के लिए डिजिटल रूप से आवेदन करने में सक्षम बनाता है। केंद्र ने समझौता ज्ञापन के अनुसार सेवाएँ जारी रखी हैं। नीचे दी गई तालिका रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान प्राप्त आवेदनों की संख्या, जारी किए गए प्रमाण पत्र और पहचान पत्र आदि के बारे में आँकड़े दिखाती है।

ट्रांसजेंडर पोर्टल अप्रैल – जून २०२४	
श्रेणी	आवेदनों की संख्या
आवेदन प्राप्त	१९०१
आवेदन अयोग्य	२५४
जारी किए गए प्रमाण पत्र	१२०१

शोधगंगा: भारतीय शोध प्रबंधों का भण्डार

२०२४ की पहली तिमाही शोधगंगा के लिए एक उल्लेखनीय अवधि के रूप में चिह्नित है। भारतीय विश्वविद्यालयों में पूर्ण–पाठ शोध प्रबंधों का भण्डार उत्तरोत्तर बढ़कर कुल ५,४२,७६५ पूर्ण–पाठ शोध प्रबंधों तक पहुँच गया है, जिसमें रिपोर्ट की गई अवधि, यानी अप्रैल–जून २०२४ (चित्र १) के दौरान कुल १७,४७२ शोध प्रबंध अपलोड किए गए हैं।

इस प्रकार, ३० जून २०२४ तक, कुल ६०१ (७९५ विश्वविद्यालय + १०६ CFTI@INI) ने इनफ्लिबनेट केंद्र के साथ शोधगंगा पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान १५ समझौता ज्ञापन (१५ विश्वविद्यालय) शामिल हैं, जिससे शोधगंगा में पूर्ण–पाठ शोध प्रबंधों की संख्या में वृद्धि हुई है।

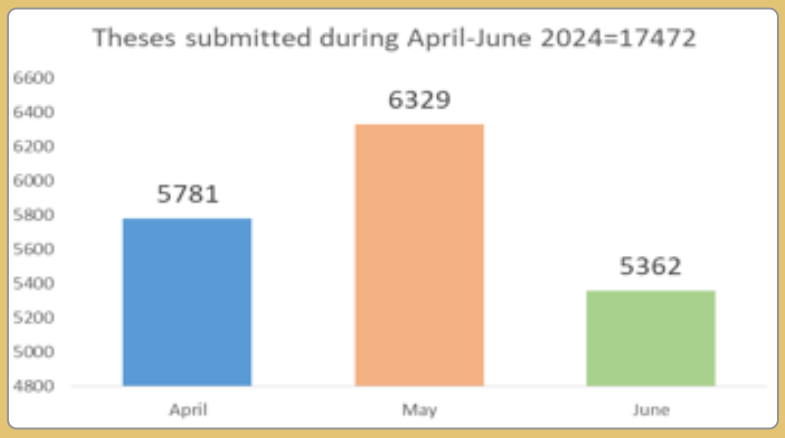

चित्र १: शोधगंगा पर अपलोड किए गए शोध प्रबंध

शोधगंगोत्री

आयुष मंत्रालय के अनुरोध के आधार पर शोधगंगोत्री अब पीजी शोध प्रबंधों के लिए भी खुला है। वर्तमान में, रिपॉजिटरी में १२७ विश्वविद्यालयों द्वारा योगदान किए गए १४,३०६ सिनॉप्स/एमआरपी/पीडीएफ/फेलोशिप/पीजी शोध प्रबंध हैं। रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान, ६४६ सिनॉप्स/एमआरपी/पीडीएफ/फेलोशिप/पीजी शोध प्रबंध जोड़े गए।

शोध शुद्धि और साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाला सॉफ्टवेयर (पीडीएस)

शिक्षा मंत्रालय अपनी पहल शोध शुद्धि के माध्यम से केंद्रीय, राज्य, डीम्ड और निजी विश्वविद्यालयों सहित सभी विश्वविद्यालयों के साथ–साथ भारत में केंद्रीय वित्त पोषित तकनीकी संस्थानों/राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों (सीएफटीआई/आईएनआई) को साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर (पीडीएस) तक पहुंच प्रदान करता है, ताकि शैक्षणिक संस्थानों में अकादमिक अखंडता को बढ़ाया जा सके और साहित्यिक चोरी पर अंकुश लगाया जा सके। यह ०१ सितंबर २०१६ से लागू होगा। अक्टूबर २०२३ में, एक नया पीडीएस सॉफ्टवेयर (यानी, ड्रिलबिट एक्सट्रीम) खरीदा गया और ११०० से अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों को प्रदान किया गया।

३० जून २०२४ तक, ११३६ (८४४ सक्रिय) विश्वविद्यालयों/संस्थानों से समानता/साहित्यिक चोरी की जाँच के लिए कुल ४६,२२,८५५ दस्तावेज़ प्रस्तुत किए गए हैं। परियोजना शोधशुद्धि में २० अतिरिक्त के साथ हर साल १० लाख दस्तावेज़ों का उपयोग करने की परिकल्पना की गई थी, और अब ३० जून २०२४ के अंत तक ४६.२२ लाख दस्तावेज़ प्रस्तुत किए गए। कुल १,७७,७००+ उपयोगकर्ताओं को नए पीडीएस सॉफ़्टवेयर में माइग्रेट किया गया।

रिपोर्ट के तहत अवधि के दौरान पीडीएस के उपयोग के आँकड़े

रिपोर्ट के तहत अवधि के दौरान पीडीएस को प्रस्तुत किए गए कुल दस्तावेज़ ४,३४,६३७ हैं। चित्र २ पिछले तीन महीनों (अप्रैल = १,६७,५३२, मई = २,०७,६२५, और जून = ५६,४८०) में प्रस्तुतियों की संख्या दर्शाता है; औसत १,४४,८७६ था। चित्र ३ में सक्रिय उपयोगकर्ताओं की मासिक संख्या दर्शाई गई है। रिपोर्ट के अनुसार पीडीएस में कुल १७,३७० नए उपयोगकर्ता जुड़े।

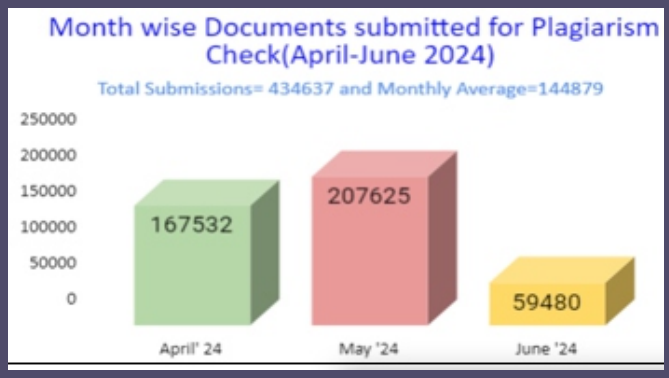

चित्र २: पीडीएफ में माहवार प्रस्तुतियों की संख्या (अप्रैल–जून २०२४)

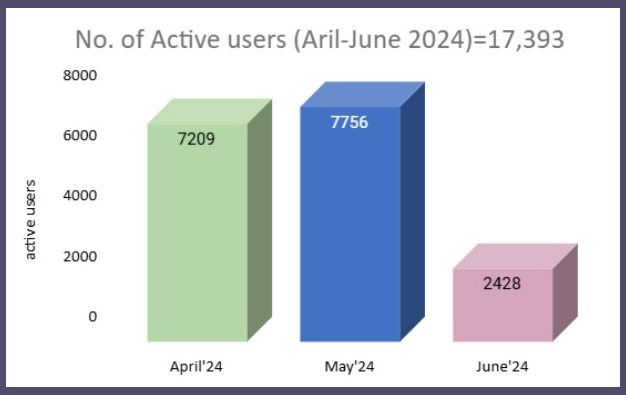

चित्र ३: अवधि के दौरान सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या

अन्य उल्लेखनीय कार्यक्रम और गतिविधियाँ

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएचपी) और इनफ्लिबनेट केंद्र , गांधीनगर ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उच्च स्तरीय शोध को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, ११ जून २०२४

इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रोफेसर देविका मड़ाल्लि ने धर्मशाला के डिग्री कॉलेज ऑडिटोरियम में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय बिजनेस स्कूल विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रबंधन उत्सव 'हिम स्पार्क' उत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएचपी) और इनफ्लिबनेट सेंटर, गांधीनगर के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उच्च स्तरीय शोध को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य पुस्तकालय और सूचना विज्ञान या पुस्तकालय और सूचना विज्ञान की किसी अन्य शाखा के निर्दिष्ट विषयों के अनुसंधान और शिक्षण में सहयोग को सुविधाजनक बनाना है। कुलपति सचिवालय में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत प्रकाश बंसल, इन्फ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रोफेसर देविका मदल्ली, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की रजिस्ट्रार प्रोफेसर सुमन शर्मा, गणित और कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान संकाय की डीन डॉ. डिम्पल पटेल और पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शिवराम राव के. उपस्थित थे।

प्रोफेसर देविका माडल्ली, निदेशक, इनफ्लिबनेट केंद्र और प्रोफेसर सत प्रकाश बंसल, कुलपति, सी.यू.एच.पी के साथ सी.यू.एच.पी के अन्य प्रतिष्ठित सदस्यों

COAR और इनफ्लिबनेट ने भारत में रिपॉजिटरी के लिए एक अभ्यास समुदाय शुरू करने पर सहमति व्यक्त की

ओपन एक्सेस रिपॉजिटरी का परिसंघ (सीओएआर), एक अंतरराष्ट्रीय संघ जो अच्छे अभ्यास विकसित करता है और रिपॉजिटरी समुदाय के लिए अग्रणी वैश्विक आवाज के रूप में कार्य करता है, अपनी क्षेत्रीय पहल एशिया ओए अभ्यास समुदाय के तहत, एशियाई देशों में ओपन एक्सेस और ओपन साइंस पर सूचना साझा करने और सहयोग का समर्थन करने के लिए स्थानीय एशियाई मेजबान के साथ मिलकर द्विवार्षिक बैठकें आयोजित करता है। इस वर्ष २०२४ में, "ओपन साइंस का वादा और अभ्यासः अनुसंधान तक पहुँच प्रदान करने में रिपॉजिटरी की महत्वपूर्ण भूमिका" शीर्षक वाली बैठक १७ से १८ अप्रैल २०२४ तक नई दिल्ली, भारत में एशिया ओए मीटिंग में नई दिल्ली में यूनेस्को कार्यालयों में आयोजित की गई थी। बैठक का आयोजन सीओएआर और ऑल इंडिया श्री शिवाजी मेमोरियल सोसाइटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (ए.आई.एस.एस.एम.एस) ने यूनेस्को के साथ मिलकर किया था। इन बैठकों में सरकार और विश्वविद्यालय के नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं और अन्य हितधारकों के साथ–साथ यूनेस्को और अन्य जगहों से खुले विज्ञान विशेषज्ञों ने भाग लिया। कई प्रतिष्ठित स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ दो सफल दिनों की बैठकों के बाद, सीओएआर और इनफ्लिबनेट ने भारत में खुले विज्ञान भंडारों के पर्याप्त नेटवर्क को एकजुट करने और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने के लिए एक समझौते की घोषणा की। इस अवसर पर, सीओएआर की कार्यकारी निदेशक कैथलीन शियरर ने कहा कि यह इनफ्लिबनेट के साथ मिलकर भारतीय भंडारों को एक मजबूत नेटवर्क में लाने और समान रूप से यह सुनिश्चित करने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है कि भारत में भंडार सामान्य अंतर्राष्ट्रीय मानकों को अपनाने के माध्यम से वैश्विक खुले विज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा बनें। इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रोफेसर देविका माडल्ली ने कहा कि इस तरह की पहल शुरू करने का यह आदर्श समय है, क्योंकि भारत G20 देशों में भंडारों में अंतर–संचालन स्थापित करने के लिए एक परियोजना का नेतृत्व कर रहा है", और "हम भारत में भंडारों को बढ़ाने के लिए सीओएआर के साथ काम करके बहुत प्रसन्न हैं"। इनफ्लिबनेट केंद्र की वैज्ञानिक–डी (LS) डॉ. कृति त्रिवेदी भी बैठक में शामिल हुईं।

COAR: एशिया OA मीटिंग १७ से १८ अप्रैल २०२४ तक नई दिल्ली में यूनेस्को कार्यालयों में हुई

Celebration of First INFLIBNET Open Day

Information and Library Network Centre

(An IUC of University Grants Commission, Ministry of Education, Govt. of India)

इनफ्लिबनेट केंद्र ने १६ मई २०२४ को बहुत उत्साह के साथ अपना पहला ओपन डे आयोजित किया और मनाया। ओपन डे का उद्देश्य केंद्र द्वारा निष्पादित शोध गतिविधियों और परियोजनाओं को प्रदर्शित करना और आगंतुकों को केंद्र की शोध गतिविधियों और उपलब्धियों के बारे में जानने का अवसर प्रदान करना था। यह केंद्र के लिए जनता, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान पेशेवरों, शोध प्रशासकों और छात्रों के साथ जुड़ने और उनके साथ संबंध बनाने का भी अवसर था। ओपन डे ने केंद्र को अपने विजन, मिशन और रणनीतियों को साझा करने और समुदाय को विद्वानों के संसाधन प्रदान करने के लिए नवाचार और तकनीकी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया। यह आगंतुकों को परियोजनाओं के पीछे वैज्ञानिकों और तकनीकी टीम से मिलने, सवाल पूछने और केंद्र के काम को बेहतर ढंग से समझने का अवसर देता है।

उत्सव में कई खंड/चरण शामिल थे, जिनमें से प्रत्येक इनफ्लिबनेट के काम और योगदान के विभिन्न पहलुओं/गतिविधियों पर केंद्रित था।

कार्यक्रम की शुरुआत एक उद्घाटन सत्र से हुई, जहाँ इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रोफेसर देविका पी. माडल्ली ने मुख्य अतिथियों और वक्ताओं और सभी उपस्थित लोगों का स्वागत किया। आईआईएम अहमदाबाद के निदेशक प्रोफेसर भारत भास्कर और एनएएसी, बेंगलुरु के अध्यक्ष प्रोफेसर अनिल सहस्रबुद्धे इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और वक्ता थे।

अपने उद्घाटन भाषण में, प्रो. माडल्ली ने कहा कि उन्होंने प्रथम इनफ्लिबनेट ओपन डे समारोह को "पूरे भारत के लिए इनफ्लिबनेट के द्वार खोलने" के रूप में देखा था।

प्रो. सहस्रबुद्धे ने सबसे पहले इनफ्लिबनेट टीम को प्रथम ओपन डे समारोह के लिए बधाई दी, तथा आईआईएम अहमदाबाद और इनफ्लिबनेट केंद्र के बीच बेहतरीन सहयोग की कामना की। तथा उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी भारतीय पत्रिकाओं को खोलने के लिए एक राष्ट्रीय स्तर की ओपन जर्नल प्रकाशन प्रणाली विकसित की जाएगी। प्रो. भारत भास्कर ने अपने भाषण में भारतीय शैक्षणिक समुदाय के लिए इनफ्लिबनेट केंद्र के कई राष्ट्रीय स्तर के प्रयासों की बहुत सराहना की। उन्होंने शोध शुद्धि, ज्ञान का शुद्धिकरण, शोधगंगा, एन.आई.आ.रएफ, स्वयं परियोजनाओं का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया। उन्होंने इनफ्लिबनेट के देश भर के प्रत्येक संस्थान तक पहुँचने के लिए बढ़ते कनेक्शन पर जोर दिया।

ओपन डे समारोह के हिस्से के रूप में, इनफ्लिबनेट केंद्र ने ओपन हाउस का आयोजन किया तथा अपनी सेवाओं और गतिविधियों के आधार पर पाँच स्टॉल लगाए। पुस्तकालय स्वचालन, ई–संसाधन और सेवाएँ, ओएआई और ओईआर, अनुसंधान नेटवर्क और रैंकिंग, मान्यता और तकनीकी सेवाएँ। उद्घाटन सत्र के बाद, मुख्य अतिथियों के साथ सभी उपस्थित लोगों ने प्रत्येक स्टॉल का दौरा किया और इनफ्लिबनेट केंद्र की विभिन्न गतिविधियों, परियोजनाओं और सेवाओं का पता लगाया, और टीम के साथ पूछताछ और बातचीत की।

इसके अलावा, कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, एक विचार–विमर्श का आयोजन किया गया, जिसमें इनफ्लिबनेट केंद्र के उद्देश्यों के प्रति रचनात्मक विचार आमंत्रित किए गए और उन्हें प्रस्तुत किया गया, जिससे देश के उच्च शिक्षा समुदाय को लाभ हो सकता है। विचार–विमर्श प्रस्तुतियों के लिए, कठोर समीक्षा के बाद, उस दिन केवल १० शॉर्टलिस्ट किए गए विचार प्रस्तुत किए गए। और विजेताओं की समीक्षा और चयन करने के लिए, यूजीसी, नई दिल्ली के संयुक्त सचिव डॉ जेके त्रिपाठी सहित एक जूरी पैनल भी आमंत्रित अतिथि के रूप में मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। अंत में, डॉ त्रिपाठी ने विचार–विमर्श प्रस्तुतियों से शीर्ष 3 विजेताओं और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेता की घोषणा की। अपने समापन भाषण में, उन्होंने केंद्र में पहला ओपन डे कार्यक्रम आयोजित करने के लिए टीम इनफ्लिबनेट को बधाई दी, और यूजीसी की ओर से इनफ्लिबनेट केंद्र को हर संभव तरीके से समर्थन देने का आश्वासन दिया।

प्रथम इनफ्लिबनेट ओपन डे समारोह में भारत भर के विभिन्न संस्थानों से लगभग १५० प्रतिभागियों ने भाग लिया। १६ मई, २०२४ को प्रथम इनफ्लिबनेट ओपन डे, भारत में एक खुले, सुलभ और सहयोगी शैक्षणिक और अनुसंधान वातावरण को समर्थन और बढ़ावा देने की दिशा में केंद्र की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम था। अपनी गतिविधियों और सेवाओं को प्रदर्शित करने और पुस्तकालय, शैक्षणिक और अनुसंधान समुदायों के साथ सीधे जुड़ने के माध्यम से, इनफ्लिबनेट केंद्र ने देश के शैक्षिक और अनुसंधान ढांचे को मजबूत करने के लिए अपने समर्पण और योगदान को बड़े पैमाने पर दिखाया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

इनफ्लिबनेट केंद्र ने २१ जून २०२४ को १०वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। योग विशेषज्ञ, डॉ. शगुन टुटेजा और श्री सत्यवीर, लकुलिश योग विश्वविद्यालय, अहमदाबाद से विभिन्न योग आसनों का प्रदर्शन करने और उन्हें करने का सही तरीका समझाने के लिए आमंत्रित किए गए थे। कर्मचारियों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में सक्रिय रूप से भाग लिया और योग की भावना को अपनाते हुए सूक्ष्म व्यायाम, ओंकार जप प्राणायाम और विभिन्न आसन किए। कार्यक्रम का समापन औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसके बाद चाय–नाश्ता का आयोजन हुआ।

इनफ्लिबनेट केंद्र में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

कर्मचारी समाचार

श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक–एफ (सी.एस)

श्री मनोज कुमार को ४ जून २०२४ को गणपत विश्वविद्यालय, मेहसाणा में प्रशासन के लिए एआई उपकरण और माइक्रोसॉफ्ट उत्पादों के एआई उपकरणों पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।

डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक–ई (सी.एस)

डॉ. अभिषेक कुमार को नीचे उल्लिखित आमंत्रित वार्ता/व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था:

- यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, एन.ई.एच.यू और डी.ए.वी.वी, इंदौर द्वारा क्रमशः ११ जून २०२४ और १४ जून २०२४ को आयोजित किए जा रहे एनईपी ओरिएंटेशन और सेंसिटाइजेशन के तहत आईसीटी पर ऑनलाइन व्याख्यान दिए।
- यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, संत गाडगे बाबा, अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती द्वारा ८ और ९ मई २०२४ को आयोजित किए जा रहे यूजीसी–प्रायोजित 'रिफ्रेशर कोर्स – एमओओसी, ई–कंटेंट डेवलपमेंट और ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज' के ऑनलाइन दो सप्ताह के दौरान "ई–लर्निंग" पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
- एस.एल.बी.एस.एन.एस विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में ९ मई २०२४ को शैक्षणिक नैतिकता, साहित्यिक चोरी, ड्रिलबिट और व्याकरण सेवा पर एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान इनफ्लिबनेट सेवाओं पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक–डी (एल.एस)

- डॉ. कृति त्रिवेदी ने सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर में प्री पीएचडी कोर्स वर्कः रिसर्च मेथोडोलॉजी (आर.एम) और रिसर्च पब्लिकेशन एंड एथिक्स (आर.पी.ई) में क्रमशः २४ मई २०२४ और २९ मई २०२४ को "रिसर्च आउटपुट और विजिबिलिटी को बढ़ाना" विषय पर व्याख्यान और "डेटाबेस और रिसर्च मेट्रिक्स" पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया

श्री राजा वी., वैज्ञानिक–सी (सी.एस)

श्री राजा ने २४ अप्रैल २०२४ को गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, तमिलनाडु (मान्य विश्वविद्यालय) में "राष्ट्रीय पुस्तक और

कॉपीराइट दिवस" पर वेबिनार के दौरान एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

डॉ. मितेशकुमार पंड्या, वैज्ञानिक–सी (एल.एस)

डॉ. मितेशकुमार पंड्या को नीचे उल्लिखित आमंत्रित वार्ता/व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था:

- ६ अप्रैल २०२४ को पंडित दीनदयाल ऊर्जा विश्वविद्यालय, गांधीनगर के स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी में ज़ोटेरो में संदर्भों के प्रबंधन और एमएस वर्ड में शोध रिपोर्ट लेखन और एआई टूल्स का उपयोग करके शैक्षणिक लेखन के विकसित परिदृश्य पर व्याख्यान दिए।
- १५ जून २०२४ को इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान, मुंबई में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एलआईएस अनुसंधान पर कार्यशाला में एलीसिटः एआई अनुसंधान सहायक में भाग लिया।

श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक–सी (एल.एस)

श्री पल्लब को २०२४ ओपन रिपोजिटरीज सम्मेलन के लिए फेलो के रूप में चुना गया था। गोथेनबर्ग, स्वीडन, ३ से ६ जून २०२४ तक (https%@@or2024-openrepositories-org/) पूर्ण वित्त पोषण सहायता के साथ, और "ओपन रिसर्च डेटा, डेटा शेयरिंग, और भारतीय अनुसंधान वित्तपोषण एजेंसियों की पहुँच नीतियां: एक अवलोकन" शीर्षक से अपना प्रस्तुतिकरण पत्र प्रस्तुत किया।

श्री विजयकुमार श्रीमाली, वैज्ञानिक–बी (सीएस)

श्री विजयकुमार ने ६ जून २०२४ को जिला पुस्तकालय, गांधीनगर में भौतिक स्वरूप में " पुस्तकालय स्वचालन" पर कार्यशाला के दौरान SOUL 3.0 सॉफ्टवेयर पर व्याख्यान दिया।

उपयोगकर्ताओं की राय

शोधशुद्धि के लिए

शोधशुद्धि शोधकर्ताओं और संस्थानों दोनों के भविष्य के लिए एक बहुत ही उपयोगी भंडार है। हम इतना अच्छा मंच प्रदान करने के लिए सहायता टीम के प्रति बहुत आभारी हैं।
(मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर)

शोधगंगा के लिए

नमस्ते,
मुझे आशा है सब कुशल मंगल है। मैं वर्तमान में जैन भिक्षुओं के बीच विभिन्न रोगों के उपचार में आयुर्वेद के संभावित अनुप्रयोग की खोज कर रहा हूँ। अपने शोध के दौरान, मुझे यह अहसास हुआ कि आयुर्वेद पर ५ लाख से अधिक शोध प्रबंधों का विशाल भंडार मौजूद है।
शोधगंगा उपयोगकर्ता

Wednesday
05.06.2024

કમલમ્

Office: A-3, Plot No. R - 13, Tanishq Complex, New Greencity, Sector-26, Gandhinagar

સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઑફ ગુજરાતે 'શોધ ચક્ર' INFLIBNET સાથે એમઓયુ પર હસ્તાક્ષર કર્યા

ગાંધીનગર
સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઓફ ગુજરાતે (CUG) સેન્ટર ફોર ઈન્ફોર્મેશન એન્ડ લાઈબ્રેરી નેટવર્ક (INFLIBNET), ગાંધીનગર સાથે શોધ ચક્ર પર સમજૂતી કરાર (એમઓયુ) પર હસ્તાક્ષર કર્યા છે. એમઓયુ દરમિયાન, INFLIBNET સેન્ટર, ગાંધીનગરના નિયામક પ્રો. દેવિકા પી મદલ્લી અને સીયુજીના વાઈસ ચાન્સેલર પ્રો. રમાશંકર દુબે ઉપસ્થિત રહ્યા હતા. પ્રો. મદલ્લીએ જણાવ્યું હતું કે સંશોધન કાર્યને પ્રોત્સાહન આપવા માટે UGC એ ઓનલાઈન પ્લેટફોર્મ રિસર્ચ ચક્ર શરૂ કર્યું છે. સંશોધકો અને સંશોધન નિરીક્ષકો માટે શોધ ચક્ર પર પૂરતી સામગ્રી ઉપલબ્ધ છે. તેમણે કહ્યું કે અત્યાર સુધી એવું કોઈ સમર્પિત પ્લેટફોર્મ નહોતું કે જ્યાં સંશોધનના વિવિધ ક્ષેત્રોને લગતી સંપૂર્ણ વિગતો ઉપલબ્ધ હોય. હવે શોધ ચક્રની મદદથી સંશોધકો વધુ સારા સંશોધન માટે પ્રેરિત થશે. આ દરમિયાન સીયુજીના રજીસ્ટ્રાર પ્રો. એચ.બી.પટેલ અને INFLIBNETના ડાયરેક્ટર પ્રો. મદલ્લીએ એમઓયુ પર હસ્તાક્ષર કર્યા. કાર્યક્રમના અધ્યક્ષસ્થાનેથી યુનિવર્સિટીના કુલપતિ પ્રો. રમાશંકર દુબેએ કહ્યું કે હવે શોધ ચક્ર દ્વારા સંશોધકોની પ્રગતિ પર પણ નજર રાખવામાં આવશે. સંશોધનને પારદર્શક અને સરળ બનાવવાની દિશામાં આ એક ઉત્તમ પગલું સાબિત થશે. યુનિવર્સિટીની સેન્ટ્રલ લાઈબ્રેરીના ઈન્ચાર્જ પ્રોફેસર પ્રો. ભાવના પાઠકે જણાવ્યું હતું કે ટૂંક સમયમાં યુનિવર્સિટી લાઈબ્રેરીમાં એક INFLIBNET રિસર્ચ કોર્નર બનાવવામાં આવશે જેથી સંશોધકોને તેમની સંશોધન સંબંધિત સમસ્યાઓના ઝડપથી ઉકેલ મળી શકે.

Central Univ of Gujarat signs MoU with INFLIBNET Centre for research

The Central University of Gujarat (CUG) has signed a Memorandum of Understanding (MOU) with the Information and Library Network (INFLIBNET) Centre, Gandhinagar, on the UGC-initiated platform Shodh-Chakra. As per officials, the platform will facilitate better information to researchers and their progress will also be monitored through the Shodh-Chakra.

RNI No. GUJGUJ/2015/61911

તપોભૂમિ ગુજરાત

TAPOBHUMI GUJARAT
(DAILY-AHMEDABAD)

દૈનિક - અમદાવાદ

E-mail : tapobhumigujarat@gmail.com

સેન્ટ્રલ યુનિવર્સિટી ઑફ ગુજરાતે શોધ ચક્ર INFLIBNET સાથે એમઓયુ પર હસ્તાક્ષર કર્યા

विद्यार्थियों को जॉब प्रोवाइडर बनाने के हैं प्रयास : प्रो. बंसल

जॉब प्रोवाइडर बनें : प्रो बंसल

शैक्षणिक गतिविधियां साझा करेगा सेंट्रल यूनिवर्सिटी

इनफ्लिब्नेट केंद्र ने गांधीनगर के साथ किया एमओयू हस्ताक्षरित

CUHP inks pact on quality edu

DHARAMSHALA, JUNE 13
A memorandum of understanding (MoU) was signed between the Central University of Himachal Pradesh (CUHP) and Information and Library Network (INFLIBNET) Centre, Gandhinagar to promote quality education and high-end research. The objective of this MoU is to facilitate cooperation in research and teaching of specified subjects of Library and Information Science or any other branch of Library and Information Science.

Workshop for library professionals kicks-off

Staff Reporter
RAIPUR, June 1

THE five-day workshop for the benefit of library professionals organised by Library Department of IIIT Naya Raipur commenced at its campus from Monday.

Titled 'IRTPLA-2024', the workshop is being sponsored by the Information and Library Network Centre (INFLIBNET). INFLIBNET is an autonomous Inter-University Centre of UGC, Ministry of Education, Government of India.

This is the first time in the state of Chhattisgarh that such a workshop is being organised where resource persons from INFLIBNET will be taking the theoretical and practical sessions offline at IIIT NR.

The inaugural session of the event started with lighting of lamp at Goddess Saraswati's idol. Registrar of the institute Professor K.G. Srinivasa graced the occasion as the Chief Guest. Librarian of IIT Kanpur Dr C.K. Swain and Librarian of Kalinga University Dr Mukul Gaur were present during the session.

Representatives of INFLIBNET-UGC briefed the participants about various theoretical and hands-on sessions planned for the next five days. The workshop saw a massive response from library professionals, however, only 30 were short listed to attend.

Participants from NITs, IIM Raipur, Ravishankar Shukla University, RSLU Raipur, and a host of institutions from Varanasi, Patna, Lucknow, Ranchi, Ambikapur, and other places showed enthusiasm. The co-ordinator of the workshop Ajit Roy, Assistant Librarian of IIIT Naya Raipur presented the overview and genesis of the workshop.

In his inaugural speech, Professor K.G. Srinivasa urged librarians to stay updated in the age of AI. He stressed the need to increase footfalls to the library by practicing innovative ideas.

The workshop IRTPLA-2024 aims to impart theoretical, practical aspects and hands-on with SOUL, D Space, Open source software, E-resources, AI and Cloud Computing aspects being utilised in the libraries of the contemporary world. SOUL is a state-of-the-art integrated Library Management System developed by INFLIBNET.

Guests and participants of workshop posing for a group photo.

सी.यू. धर्मशाला ने इनफ्लिबनेट केंद्र गांधीनगर के साथ किया एम.ओ.यू.

अनुसंधान, शैक्षणिक गतिविधियां साझा करेगा सीयू

इनफ्लिबनेट केंद्र गांधीनगर के साथ किया एमओयू हस्ताक्षरित

अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियां साझा करेगा केंद्रीय विश्वविद्यालय

इनफ्लिबनेट केंद्र गांधीनगर के साथ

शैक्षणिक गतिविधियां साझा करेगा सीयू

इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर के साथ किया एमओयू

UNI
United News of India
India's Multi Lingual News Agency
Monday, Nov 4 2024 | Time 15:30 Hrs(IST)

News | Photo | Hindi | Urdu | About UNI | Contact us | JOBS | CIRP of UNI | PRE

India | World | Sports | Business & Economy | Entertainment | States | Parliament

States »
North

Posted at: Jun 13 2024 4:54PM

CUHP signs MoU with INFLIBNET Centre, Gandhinagar to share research, academic activities

Dharamshala, June 13 (UNI) Central University of Himachal Pradesh, Dharamshala and Information and Library Network (INFLIBNET) Centre, Gandhinagar signed a MoU on Thursday to promote quality education and high-end research.
The objective of this MoU is to cooperate for research and teaching in specified subjects of Library and Information Science.
On this occasion, Vice Chancellor of Central University Prof. Sat Prakash Bansal, Director of

ALIYESHA

Central University Himachal will share Research and Academic activities, signed MoU with INFLIBNET.

समाचार जगत

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने 'शोध-चक्र' पर इनफ्लिबनेट के साथ किया एमओयू

EMPLOYMENT & EDUCATION

CUHP inks pact on quality education

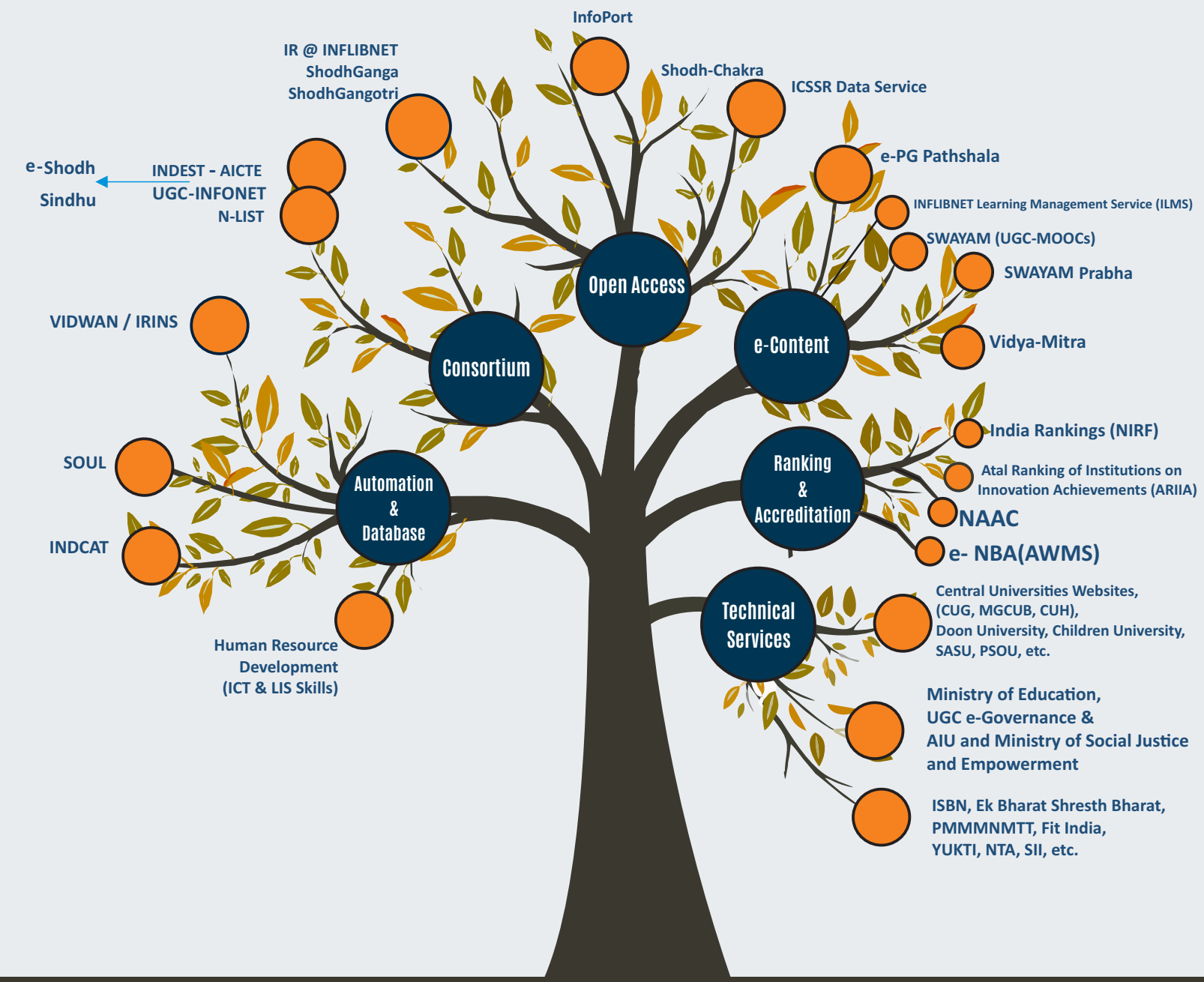

Information and Library Network Centre

(An Autonomous Inter-University Centre of UGC)

Infocity, Gandhinagar - 382007, Gujarat, India

Email: director@inflibnet.ac.in

https://www.inflibnet.ac.in/